

o) kJe और बदलती पारिवारिक संरचना

डॉ. निशा सिंह

अतिथि विद्वान - समाजशास्त्र विभाग

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा मध्य प्रदेश

सारांश

भारत में पारिवारिक संरचना में तेजी से परिवर्तन हो रहा है। पारंपरिक संयुक्त परिवार प्रणाली की जगह परमाणु परिवार बढ़ रहे हैं, जिसके कारण वृद्धजनों की देखभाल और सम्मान में कमी आई है। इससे वृद्धाश्रमों की संख्या और मांग दोनों बढ़ रही है। यह शोध द्वितीयक आंकड़ों (जनगणना 2011, NSSO, MOSPI रिपोर्ट और HelpAge India 2024 सर्वे) पर आधारित है। अध्ययन में पाया गया कि 65% वृद्धजन आर्थिक रूप से निर्भर हैं, 5% अकेले रहते हैं और पारिवारिक बंधनों की कमी के कारण 22% वृद्धाश्रमों में शरण लेते हैं। शहरीकरण, पलायन और महिलाओं की कार्यबल भागीदारी मुख्य कारण हैं। निष्कर्ष में परिवार को मजबूत करने, सरकारी योजनाओं को प्रभावी बनाने और सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया गया है।

यह शोध मुख्य रूप से द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित है, जिसमें शामिल हैं: जनसंख्या प्रोजेक्शन रिपोर्ट (2020), MOSPI रिपोर्ट्स, HelpAge India की 2024-2025 रिपोर्ट्स ("Ageing in India: Exploring Preparedness & Response to Care Challenges" तथा "The India Intergenerational Bonds" 2025), NFHS-5, UNFPA India Ageing Report (2023) और अन्य हालिया अध्ययन।

अध्ययन से पता चलता है कि बदलती पारिवारिक संरचना वृद्धजनों में अकेलेपन, क्रॉनिक बीमारियों और भावनात्मक अलगाव को बढ़ा रही है, विशेषकर महिलाओं (विधवाओं) में। वृद्धाश्रम अब केवल अंतिम विकल्प नहीं, बल्कि मध्यम वर्ग के लिए एक व्यवहार्य विकल्प बन रहे हैं। हालांकि, पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करना, इंटरजेनरेशनल बॉन्ड्स को बढ़ावा देना, सरकारी योजनाओं (जैसे IPOP, वृद्धावस्था पेंशन, माता-पिता भरण-पोषण अधिनियम 2007) को अधिक प्रभावी बनाना और सामाजिक जागरूकता फैलाना आवश्यक है। निष्कर्ष में सुझाव दिए गए हैं कि परिवार को मजबूत करने, डे-केयर सेंटर स्थापित करने, युवा पीढ़ी में जिम्मेदारी की भावना विकसित करने और वृद्धाश्रमों को केवल सहायक (supportive) भूमिका में रखने की आवश्यकता है, ताकि वृद्धजन सम्मानजनक और खुशहाल जीवन जी सकें। यह शोध सामाजिक नीति निर्माण और भविष्य के प्राथमिक अध्ययनों के लिए आधार प्रदान करता है।

कीवर्ड्स

वृद्धाश्रम, बदलती पारिवारिक संरचना, संयुक्त परिवार, परमाणु परिवार, वृद्धजन देखभाल, शहरीकरण, पलायन, वृद्धावस्था आश्रितता, HelpAge India, MOSPI रिपोर्ट।